Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-312

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Reappear Examination March – 2021

B.A. (with Yoga Science) Semester : Third
संस्कृत : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
संस्कृत-साहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. अधोलिखित मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।

अविद्यया मृत्युं तोत्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते।।

हिरण्यमयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।

तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्य धर्माय दृष्टये।।

2. महाकवि कालिदास का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

3. शार्दूल विक्रीडितम्, शिखरिणी एवं मन्दाक्रान्ता छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

4. अधोलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

सुतां तदीयां सुरभेः कृत्वा प्रतिनिधिं शुचिः।

आराधय सपत्नीकः प्रोता कामदुधा हि सा।।

5. दोष लक्षण लिखते हुए किन्हीं तीन दोषों की सोदाहरण प्रस्तुति कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(6×5=30)**

1. अश्लील दोष का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

2. वंशस्थ छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

3. पद वाक्य परिभाषा लिखिए।

4. यथा विधि हुताग्नीनां यथा कामार्चितार्थिनाम।
   यथापराध दण्डानां यथा काल प्रबोधिनाम्॥
   – उपर्युक्त श्लोक में प्रयुक्त विशेषणों का भावार्थ लिखिए।

5. विद्या तथा अविद्या को ईशावास्योपनिषद के अनुसार समझाइये।

6. "स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः"
   – उपर्युक्त पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

7. रघुवंश महाकाव्य के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।

8. किसी एक कवि का परिचय दीजिए – बाणभट्ट अथवा भवभूति।

----------x----------